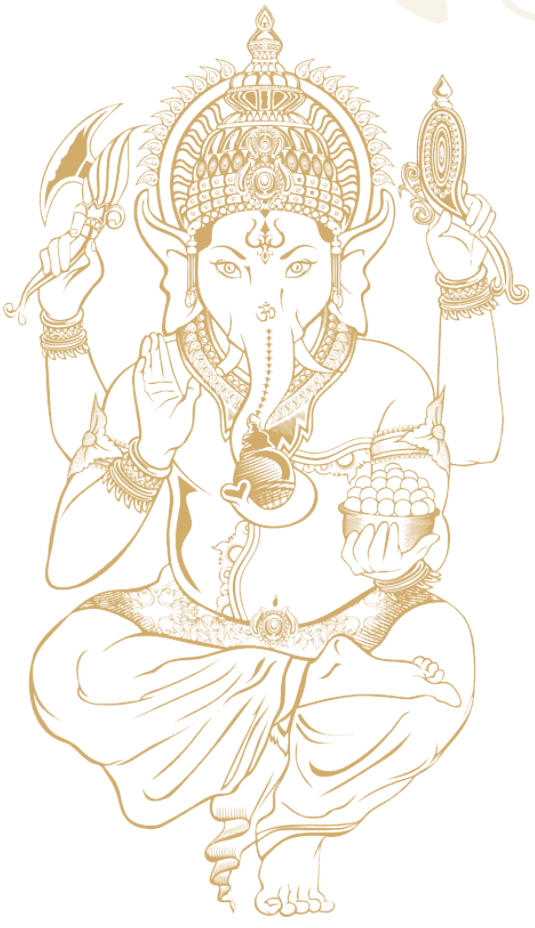

Ms.Himansu

Deeksha Joshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119100303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/05/1991	जन्म तिथि	24-25/01/1996
सोमवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 09:40:00	जन्म समय	02:20:00 घंटे
घटी 10:29:24	जन्म समय(घटी)	47:46:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Hardwar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:14	सूर्योदय	07:12:09
19:06:47	सूर्यास्त	17:46:46
23:44:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 4वर्ष 3मा 23दि	03:12:53	कर्क	लग्न	वृश्चि	01:11:55	शनि 10वर्ष 8मा 7दि
सूर्य	04:55:45	वृष	सूर्य	मक	10:21:01	केतु
11/09/2022	26:37:01	कर्क	चंद्र	मीन	09:10:04	02/10/2023
11/09/2028	02:33:59	कर्क	मंगल	मक	19:06:10	02/10/2030
सूर्य 30/12/2022	10:16:03	मेष	बुध व	धनु	27:30:18	केतु 28/02/2024
चन्द्र 30/06/2023	13:30:54	कर्क	गुरु	धनु	10:57:18	शुक्र 29/04/2025
मंगल 05/11/2023	18:32:02	मिथु	शुक्र	कुंभ	17:57:03	सूर्य 04/09/2025
राहु 29/09/2024	13:05:38	मक व	शनि	कुंभ	27:34:27	चन्द्र 05/04/2026
गुरु 18/07/2025	26:31:57	धनु	राहु व	कन्या	26:32:33	मंगल 01/09/2026
शनि 30/06/2026	26:31:57	मिथु	केतु व	मीन	26:32:33	राहु 20/09/2027
बुध 06/05/2027	19:40:05	धनु व	हर्ष	मक	06:56:05	गुरु 26/08/2028
केतु 11/09/2027	22:46:11	धनु व	नेप	मक	01:46:28	शनि 04/10/2029
शुक्र 11/09/2028	24:58:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	08:49:30	बुध 02/10/2030

लग्न-चलित

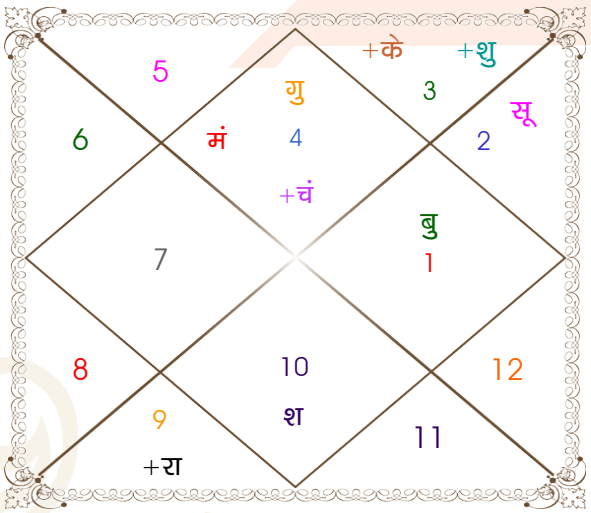

लग्न-चलित

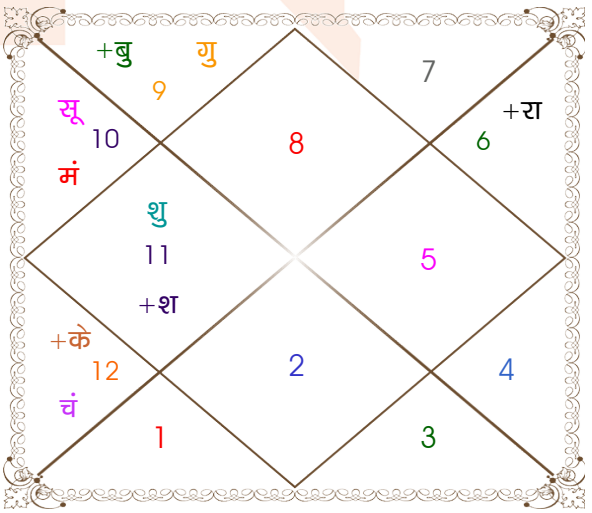

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डेण्भ्पउंदेन का वर्ग श्वान है तथा क्ममर्ों श्रवीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डेण्भ्पउंदेन और क्ममर्ों श्रवीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डेण्भ्पउंदेन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्भ्पउंदेन कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेण्भ्पउंदेन कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्ममर्ों श्र्वीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु क्ममर्ों श्र्वीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डेण्भ्पउंदेन तथा क्ममर्ों श्र्वीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।